

श्रीगणेशाय नमः गायत्री



५३१५

१०८ नमः श्री गुरु नारायण ॥ नान्दी ॥ लाक ४ ॥ कनक कनक विदहा वाचसा म्याग ॥ ला ४ ॥ गंध वरुण
 यूथाना गयशायवी की ॥ सत्र निवरु सुसथा नक्षत्रि चं विनिघ्न न निगिरय न छु धात्री पातु लं वा द भा व ४ ॥
 ॥ ॥ नान्दि भ ॥ मा ज्ञ व ॥ ऊ य थ ॥ ॥ ऊ य ऊ य ऊ य न ट ना थ सदा गित पत्रिक न कलित अ ध म कन्द वः
 वरा न न व द न सा न द विधु सम न य न स न ॥ स न स नि गंध वरु ख छु ऊ टाय न व ष व न क न र सु जान
 ति ति मि ति मि ति मि ति म न व का व य गा व न स रु वि ता न ॥ रु ऊ ग रु ष ष क वि रु ल्य स न म न र न लि न
 उ न रु ति रु न स क ल म म न ग ला या द य क ऊ यू ऊ रु ति रु व ल सा न ॥ क रु न स म ति ऊ य रु य जि ना मि रु
 वि न रु ति व व न द न स न हा य ग ल रु न ग न हा जाना द रु म ति नि दान ॥ प १ ॥ ॥ ग ला ग य व न ॥

यु ऊ नि ॥ ॥ ॥ ऊ य ऊ य ऊ य न ट ना थ रु क न अ लि क ल क लि न स ग छु कू क मा रु न न व द न वा व ल पू जि
 न ग ला व न व छु ॥ नि य प न हा गंध वरु ख छु स मा ति रु स न व न म ति व न स व यं व वा ल नि य प्रिय स न
 या व ल रु ष ष रु ति व न द व ॥ न क न य न न न स न ग ला या ल क स न्द न न न न्द क न्द स व स र व दाय क
 व रु रु ल ला य क सा रु ग नि य न व न्द ॥ य न हा ग न हा रु न जानि ग जान न क रु न स म ति न न ॥ जि नाः
 मि रु रु न प द य ग स व न ख छु रु रु नि रु क ल ॥ प २ ॥ ॥ ग ला रु रु न वि रु न सा व द ग म्य ना ॥ रु नः
 वी मा कं द ॥ रु न रु ग ला ध व कि म र्थ मा रु ना सि ॥ ग ला रु रु न वि रु न ना जा धि ना ऊ धी धी स म ति ऊ य जि
 ना मि रु म ल द व ल न व मा रु का दी ना म रु नि य म रु नि न रु म रु मा दि रु मि रु श ना ना दि ग ना रु नि न

४समायास्यन्ति नदवलाकनायतानननञ्जयिठुमावीगत्वा नयथायद्व्यायसङ्गा रुवावधारेव रुव
 दाङ्गायमार्गं ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ यदुठिया ॥ प्र ॥ यलाधविरेवविश्रापनसदन सनसिङ्ग लावन
 विधुसमवदन ॥ अङ्गमङ्गवत्समननकवित्रङ्ग अङ्गमङ्गरूपममिमयसाङ्गा ॥ नमववधुसवरुमः
 असमानउज्जयदयङ्गमधुकनयान ॥ समतिङ्गिनामिगुनृपमिसृजान दद्विविधतननिअङ्गनका
 न ॥ पृ ३ ॥ ॥ प्रका ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ द्विका ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र
 नय ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ ल ॥ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग ॥ यदुठिया ॥ अ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग
 मिकियापवग ॥ साङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ यदुठिया ॥ अ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग

२

कनवविलास ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग ॥ यदुठिया ॥ अ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग
 यमिसृजान दद्विविधतननिअङ्गनका
 नामि ॥ विधम ॥ ॥ अङ्गमङ्गरूपममिमयसाङ्गा ॥ नमववधुसवरुमः
 कवित्रङ्ग अङ्गमङ्गरूपममिमयसाङ्गा ॥ नमववधुसवरुमः
 दिनमदनविप्रमङ्गवत्समननकवित्रङ्ग अङ्गमङ्गरूपममिमयसाङ्गा ॥ नमववधुसवरुमः
 न ॥ पृ ५ ॥ ॥ प्रका ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ द्विका ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र
 नय ॥ गङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ ल ॥ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग ॥ यदुठिया ॥ अ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग
 मिकियापवग ॥ साङ्गागङ्गावतीनिस्सात्र ॥ यदुठिया ॥ अ ॥ रुववसिंहियाधिप्रवग

ब्रह्मगङ्गाध्वत्रयं गङ्गाध्वं ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 दत्तवत्सलमिह ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 वगयद्ब्रह्ममनं गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 कत्रवसं हान ॥ निब्रह्मगङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 तिसृजानं यजुः कत्रवसं हान ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 द्विका ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥
 न्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥ गङ्गाध्वं विगम्यतां ॥

[illegible]

अथानि५

[illegible][illegible]

गिनियाटलववना॥सूमतिजितामिगुनृयववरुन रुयनागिनिगिवदरुववदान॥मयू१०॥ ॥
यका॥यका॥कृतंगम्यत॥ ॥द्विका॥यका॥गीर्धंगमिष्यामि॥लू४॥ ॥माहृषविषवग॥नाति॥यू॥
नटठमियैवैवैमाहृषविकियायववग रुजगठुषगतनूलतिगसूवग॥अमववधूजनसवि
तयवग॥ ॥द्विकिरीटिनिहमवाविजनयना॥अमूलकलितरुवितनूयुधियका॥अमवअहि॥
तगलकववविना॥॥दृषरुवाहिनिदवीगगिवदना जितामिगुनृयरुनवैविकदना॥मयू११॥
॥ ॥माहृयका॥गीमवलाकिठुं वमयुवर्गकवामि॥माहृद्वर्गविष्मर्मकवामि॥विष्मर्म॥ ॥
माहृमयासुलानकवगम्यत॥ ॥निस्साव॥ग्री॥गोवी॥वा॥ख॥॥गुरुदेवविनागकाविनिजयमाहृ

श्ववि॥धृ॥निहृगदेवकवर्गवृषिलि॥पिंगजटादूग॥लि॥ली॥दिशरुवयूवयी॥वासिनि॥अमिका
लविवाजितासनि॥चलुखलुसूनीगमलुनिदृकविषूववमानखलुनि॥वकतर्यकजवृषिवर्गि
निचविका॥अमूल॥ली॥लि॥मि॥गि॥नि॥॥डग्रुलि॥वववलयकी॥वव॥नाल॥वृक॥निष॥रु॥वव॥ल॥लि॥ग॥वृ
षववयानगमिनि॥यंकजासनर्गुरुमिनि॥युलनसूवववमनूजयालिनि॥लम्वनवगिवमू
लुमालिनि॥सूमतिरुयतिववविषायिनि॥जितामिगुकराडदाहिनि॥मयू१२॥ ॥यका॥माहृः
अहंसुलानकवगम्यतेमिष्यामि॥ ॥द्विका॥माहृ॥चयलंगम्यत॥लू५॥ ॥माहृषवि॥मार्क॥दू
॥ ॥यका॥माहृ॥अहंसुलानकवगमिष्यामि॥ ॥द्विका॥माहृ॥चयलंगम्यत॥ ॥माहृ॥यावदुक्ता

[illegible]

ज्ञानं हवस्वितहायकं भववद्वान ॥ १२ ॥ लूले ॥ ॥ रुवादि साकीर् ॥ प्रका ॥ रुव हवस्वाली भम
 भगम्यन ॥ वक्ता ॥ शीश्वगम्यनी ॥ द्विका ॥ वक्ता ॥ रु ॥ शीश्वद्वर्तगम्यन ॥ रुव वक्ता ॥ शीश्ववर्त ॥
 रुव हवस्वा ॥ अदयः कर्णविभ्रमकवामि ॥ सर्व ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ विभ्रम ॥ रुव हवस्वा ॥ अदयः ॥
 ददद्विभ्रम ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥
 रुव हवस्वा ॥ अदयः कर्णविभ्रमकवामि ॥ सर्व ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ विभ्रम ॥ रुव हवस्वा ॥ अदयः ॥
 ददद्विभ्रम ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥ भगमन ॥ शीश्ववर्तवर्त ॥

सप्रार्थ॥ कलि॥ ममभनकेनवद॥ प॥ रु जिं० जिं० जिं० धां जिं० धां रु आं आं २ आं आं २ ज्या॥ ग
 तिदुर्मान॥ नरु जिं० धां जिं० धां धां धां गध० द्यां धूमिकतातकीनिकुं धां २ धां अदा अदा अभा अदा
 अदिगिदिगिदिगिताअदानकीनिकुं कथायं जिगि३॥ प्रतर्कनिकभावदूवलानिचयनिकनवदू
 हासी मनुजकपालनालनिनदे० किलगायतिविविधविलासी॥ कादानवनालीद॥ नरु खजि॥ १०
 धा॥ नरु नाअदा उकुं उरुमकताअदाअदा॥ धाधवधनकिं धाता॥ ख॥ ग॥ नरु॥ जिं० धां धां जिं०
 दकथात्रा० दू० दू० धाधगं० गं० धाधनकिं धात्रा० दू० धा२ वय॥ धाजिगदां० ध२ धा नाताथन

गरिं ताकीदिगिदिगिउं० लताकीदिगिदिगि॥ थनगसिंताकीताकी० दिगिताकीताकी० धाजिगदां० ध२ धाउं
 धाउं ताअ॥ म॥ एकलिंगवायसं० यदुमविविधवचकगलनादं वीववतालुधसावभयरुविपधाधिस
 यार्द॥ धमास॥ नरुद॥ जावा॥ य॥ जिं० धां जिं० धां जिं० नां० जिं० धां जिं० धां ४ धां धागधनकीनिकुं धा
 ॥ गति॥ मूला॥ वद० ययावलित० जिददां जिददां जिदनां जिददां० नकथादिकथाजीयनं० धा० धा० २
 नरु नाअउं मगमनकमं० अदिगिदिगिता० दू० २ धाल० धा० धा० धाल० धा० धा० नकथायं जिगियं० धा
 कीनिकुं धा॥ य॥ नरु धा० नरु धा० जिद० धा० धा० ४ धा० धाल० धा० नकीनिकुं धा॥ म॥ गावुवमाकलयामिसूव
 यत्रि॥ लास्यं कनसहावं मधुवमृदुं सुधनिमनभादय० ग० धावदमयहावं॥ ॥ धाकी० धूद॥ धागा

[illegible][illegible]

श्रीगणेशाय नमः॥ राम
मातरामप्रतितामवत्यस्वामिरामोमतसकारागभेशः सर्वसुखरामचन्द्रदयालोनर्त्तकजानेतैव
जातेतजाते॥१॥ राम

श्रुथद्वितीयदिवस ॥ ॥ कोमानीयवध ॥ काठान ॥ यरुगिया ॥ इर्क ॥ यवधकनवरुमनठक
 रुवन ॥ दुर्वायकोमाविकविवगमन ॥ निवयवसारुतसुललितचन्दारुवरुयस्वछिनिजानः
 न्यकन्या ॥ भ्रवणकुलुलगलमातिकरुन ॥ प्रिउवनजननिसवकज्जधव ॥ निधिवनगमनिस
 नगलमान ॥ जितामिप्रन्यकुरुवसिकसुजान ॥ ॥ माक ॥ इर्क ॥ गरु ॥ जिदंधा २ ॥ धाधगधा ६ः
 दां ॥ धूमिकता ६ धा २ ॥ मदा ॥ मदा ॥ मम ॥ मदा ॥ मदि ॥ गिदि ॥ गिता ॥ मदा ॥ क ॥ कथार्यं ॥ जि ॥ जि ॥ ३ ॥ य ॥ गरु
 मनक ॥ मदा ॥ मनक ॥ मदा ॥ मर् ॥ ३ ॥ धाधगधा ॥ क ॥ निर्कंधा ॥ गरु ॥ दूता ॥ मता ॥ मनक ॥ मता ॥ दूदून
 कं ॥ मर् ॥ ताता ॥ मता ॥ मनक ॥ मता ॥ मम ॥ मता ॥ म ॥ २ ॥ वध ॥ धा ॥ जि ॥ गदा ॥ धा ॥ ६ ॥ २ ॥ जि ॥ धर्यं

वासववनिता मुदितादखवरुमप्रिभुवनविदिता ॥ म३ ल१२ ॥ ॥ वेष्मवीयव ॥ कालाव ॥ न ॥
 अन्त्यमन्त्रयधनिर्वगाविनिर्वगागन्त्रवाहनकविक्थारुविद ॥ कोसुरुकलितक ॥ उगम
 गधमसूमनगसूनगनिजिदिननाम ॥ अरिमतरुलदायिनिनावायनिअसूनविनाजिनिद
 विजिनिवदनि ॥ धूमववगागनूम ॥ सुहाससूमतिजितामिप्रकरुसविलास ॥ म४ ॥ ॥ कोमा
 नीनिकठगर्लुलीनीविस् ॥ दर्नविश्रमकगामि ॥ विश्रम ॥ ॥ वे कोमा नीनिकठगामि ॥ ॥
 वेष्म वि. निस्सा ॥ वलावल ॥ य ॥ अयवेष्मवीजयसर्मद ॥ ॥ टवर्जमनिमयदरु ॥ शित विप्रवस
 नविनाजित ॥ अट्टहासयूनगारुवाविनि ॥ रवचकुसुनाजित ॥ अन्त्ययवहनमूकटसंयुगचवद

१७

नयूननीजित ॥ नेमतककरुविलानकाविनि ॥ धूमववगसूसंयतारुवसिद्धाष्टकीनयधनि
 निकर्लुनविलेविता ॥ यन्नगसंनकल्यितासनदृखवाविधिलेधित ॥ कदम्वतयववविकठ
 रेववसगतकोयुकदायिक ॥ जितामिगमवर्गशुकामिनिस्सूमतिरुयनियालिक ॥ म५ ॥ ॥
 युका ॥ वेष्म कोमा नीनिकठगामि ॥ ॥ द्वि. का ॥ वेष्म दुर्गगम्यत ॥ ल१३ ॥ ॥ सिंदिनि. या
 धिनि. मार्क. दं ॥ ॥ युका ॥ सिंदि. रुवा धिदुर्गगम्यत ॥ याधि. सिंदिगम्यतां ॥ ॥ द्वि. का ॥ याधि. रुसिं
 दिदुर्गगम्यतां ॥ सिंदि. याधिगम्यतां ॥ ॥ याधि. रुसिंदि अस्मिन्नयानदणविग्राम्यतां ॥ सिंदि. या
 धिअवर्ग ॥ विग्राम ॥ ॥ सिंदि. रुवा धिअस्मिन्गहनदणकीउयाव ॥ याधि. सिंदिअवर्ग ॥

धनाहास्यवसम ॥ ॥ कारि ॥ य ॥ मृगद्वनिताहमगजवत्रमात्रि ॥ गगिखववटिकववविः
हावि ॥ ॥ गमनवदिंसकताहकववनवास ॥ एहविधिवनसिंहीकविडयहास ॥ सूमतिजितामि
उन्वयतिमूजान हासवसवर्कनकयलवखान ॥ भय ॥ ॥ सिंहि हवाधिदवीनांसुविः
धगम्यत ॥ याधि सिंहिगम्यतां ॥ ॥ सिंहिनि याधिगी माकं यि ॥ ॥ यका ॥ सिंहि हवाधिद्व
नंगम्यत ॥ याधि सिंहिगम्यतां ॥ ॥ द्विका ॥ याधि हसिंहिद्वर्गगन्य ॥ सिंहि याधिगम्यतां ॥
नू ॥ ॥ यावाहीयवर्ग ॥ ॥ कोनिक ॥ य ॥ यववर्गकिथार्यगदवीवावाही सवसवृयकविक
वमनहावी ॥ यववदनूजकूलविदलितसावा कलु ॥ ॥ रुगुरुलं वितहावा ॥ रुवलाविदिता

दविष्णुरुववदाता विलासकववहमजगजनमाता ॥ कालसूयधविद्यालवववण ॥ जितामित्रनृप
 रुनकूलकववण ॥ भयू ॥ ॥ वावा. चामू. अनिकटगर्नुर्गयवण ॥ क्रियत ॥ अण. कर्ल. स्था. मि
 ॥ विष्णुम ॥ ॥ वावा. मयाजयनीदुर्गगम्यत ॥ ॥ निम्मावधकन. यतात ॥ भयू. यु. का ॥ वावा. मया
 दुर्गजयनीदुर्गगम्यत ॥ ॥ द्वि. का ॥ वावा. दुर्गगम्यत ॥ ल. १३ ॥ ॥ कोमावी. मार्क. दू. ॥ ॥ यु. का ॥ को
 मा. मयास्तुलान्कवगत्वास्तुर्य ॥ ॥ यु. का ॥ कोमा. गी. यु. ग. क. मि ॥ ॥ कोमा. यावद्वैष्णवीनायातितावद
 वैवस्तुर्य ॥ विष्णुम ॥ ॥ वै. श्रु. वी. मार्क. दू. ॥ ॥ यु. का ॥ वै. श्रु. कोमावी. निकटगम्यत ॥ ॥ द्वि. का ॥ वै. श्रु.
 दुर्गगम्यत ॥ ॥ वै. श्रु. ह. कोमावि ॥ ॥ कोमा. ह. वै. श्रु. वी. आसन. डय. वि. श्रु. गी ॥ विष्णुम ॥ ॥ कोमा. ह.
 वै. कोमा. वि. श्रु. व. गी ॥

वे कोमात्रियुक्तं ॥ १

वैष्णवि आर्वा नृत्त्याव ॥ ॥ थना नगवान नद्या खन वैष्णवी कोमात्री नका ॥ यताल ॥ ५२ ॥ कोमाह
वैष्णवि अत्यन्त बंगत्वा कर्ण सुख्यं ॥ वैष्णु कोमात्री युक्तं ॥ कोमात्री वैष्णवी यवि र्पि ॥ ल ७ ॥
१०० न्याणी प्रव ॥ कोलिक ॥ थ ॥ कत्रिला विनिषण ०० न्याणी नट गह जवाव नवाहिनी कनकव
विधह ॥ कलिंग विधविनिमयति बाली शिखुवलयालिनिद विरुवानि ॥ खलदल मदिनिद
प्रितदलनी सवगिजसूवद निखंजननयनी ॥ सुतिकवधव सवधु बवणी गले सुमतिपुवील
नृयजितामिगुरुन ॥ मय १० ॥ ॥ ०० न्या रुववादीनां दर्शनार्थं बर्गं विनामि ॥ मयाण सुख्यं ॥ विना
मि ॥ ॥ ०० न्या ०० तागत्वा वप्रिगुरु सुख्यामि ॥ ०० न्याली निस्माव ॥ वाजविजय ॥ था ॥ यीतवव

११

भादवी ०० न्यवध ॥ ॥ यवर्जललितकलितकलवव सुन्दवि ०० न्यवदनी उन्नतकठिनघटयतिरुसुस
निकुन्दकसुमदगनी ॥ खानवायवादिगयविगुरुववविजमसंवाविणी ॥ विकसितकवल्लयसुन्द
बलायनि सुवयतिमनविभाहिनी ॥ नवकिणलयदलसमवदवसन जवावतवाहिनी ॥ किन्ति किः
नाप्रजकिदविदयामयि रुवर्मकठताविनी ॥ कव ३३ वृथिवरववसयरेववजसुसमसुवनदिआ
नरुयजितामिगुरुवववकलमणि वर्जनकयलसुजान ॥ मय ११ ॥ ॥ यका ॥ ०० न्या मयाताविर्गव
विगुरुगम्यत ॥ ॥ द्विका ॥ ०० न्या अविलं विर्गगम्यत ॥ ल १० ॥ ॥ वावाहीयेसाव ॥ काहि ॥ य ॥ वावा
हीजयनीलवव ॥ ॥ थ ॥ तवर्जकलितगनू आगमनिगमविदितजकिविलास ॥ यथिमजयनीयव

١٤

वावा कलविग्रमंकवामि॥विग्रम॥ ॥वावा मया अथ नवंगत्वा कलं कुर्य॥ वावाही यविं धिं॥ लृ१८
॥ ॥ वृन्दाली माकंद॥ ॥ य॥ का॥ वृन्दा मया नात्रिं यत्रिं कुरु गम्यत॥ ॥ द्विका॥ वृन्दा अविर्ल विर्ग
गम्यत॥ वृन्दा अस्मिन् यत्रिं कुरु कलं विग्रमंकवामि॥विग्रम॥ ॥ सिद्धि नायक दवदं॥ ॥ य॥ का॥
सिद्धि वृन्दाली निकट गम्यत॥ ॥ द्विका॥ सिद्धि दुरुंग कुरुमि॥ ॥ सिद्धि वृन्दालि॥ वृन्दा वृ सिद्धि
गलान्ध्रव अस्मिन् यत्रिं विग्रमं॥ सिद्धि वृन्दालि अवर्ग्य॥ विग्रम॥ ॥ वृन्दा वृ सिद्धि अस्मिन् यत्रिं
नार्थ गम्यत॥ सिद्धि वृन्दालि अवर्ग्य॥ वृन्दाली सिद्धि नायक निस्साय॥ ॥ नाट॥ या॥ दखव कुरुमाय
वधू वृत्रिं सुवास मीन नय नाद विमं कुरुत सुहास॥ रुक कल्य लता निख वृद गना अथ व अथ वृद वृ

वृद्धिवाचलगमना॥तत्क्रिकवदनकृ विजिनिदूज बाऊ सिद्धिगलेश्वरवल अ विलम्ब आऊ॥वय
 यतिकूलमलिमनसिऊ वृय सुमति जिनामिण गयलरुय॥मयू १४॥ ॥य.का॥ॐ रुसिद्धिग
 लेश्वरदुर्गकोमावीदुर्गनार्थ गम्यत॥सिद्धि ॐ द्यालिअवर्ध॥ ॥द्वि.का॥सिद्धि ॐ द्यालितावि
 रंगम्यत॥ॐ सिद्धीश्वरगम्यता॥ल १२॥ ॥आचार्य सुममल्ला दव.दू॥ ॥य.का॥आवा रुषिय
 गृहान्नवगम्यत॥सुर्मनाथगम्यता॥ ॥द्वि.का॥सुर्म रुनाथताविरंगम्यता॥आवा सुममल अः १२
 वर्ध॥ ॥आवा रुषियतम कर्ण विप्रम्यता॥सुर्मनाथ अवर्ध॥विप्रम॥ ॥आवा रुषियतमरु
 कनगया माहकादिरि सुर्म महारु ववागतावरुति तप गत्वा मया आवाधना विधिया॥सुर्म रु

नाथरु वव सुमहारुयंक वसुगन गतव्या॥आवा रुषिय आचार्यादीनी ॐ श्व बावाधनं ड विरमव
 मया अवर्ध गम्यत॥सुर्म रुस्वामिनुका किनी मां अनाथ कृत्वा अवर्ध गम्यत वरु व विना ॐ
 रुविश्रानिमागम॥आ. रुषिय मया अवर्ध गम्यत॥सुर्म गलान नदजाका वतय आचार्य निताः
 लतयका व दवर्ल काणम खान कं वन॥ ॥थना सुममल्ला विलाय॥ ॥अहवाली ॥७॥ निव निव
 यदु विनू जिडावक सुन ह्यजि गल भादि आऊ कि क व व न खन॥कठिन रुल आवन सुद व न
 न व व न न सुनिक क क यल गमन॥मयू १५॥ ॥सुर्म गला गयन र्थि॥ल २०॥ ॥कोमावी वेष्ट
 वाय विंद॥ ॥कोमा रुवेष्ट विदल विप्रम क वामि॥वेष्ट कोमावी यूकं॥विप्रम॥ ॥सिद्धि ना

नायक रून्दाणी मार्कंद॥ ॥ य. का॥ रून्दा हसिद्धिगलण कोमात्री निकट गम्यत॥ सिद्धि रून्दा लिख्य
 ग्थं॥ ॥ द्वि. का॥ सिद्धि ह रून्दा लिख्य गम्यतां॥ रून्दा सिद्धिगलण्यत्र गम्यतां॥ ॥ सिद्धि ह कोमात्री॥
 कोमा हसिद्धिगलण्यत्र आसन उद्यविश्रतां॥ सिद्धि कोमात्रिसमृद्धिर्ग॥ विष्णुम॥ ॥ सिद्धि ह कोमात्रि
 अस्माहि नृत्त्यं विधेयं॥ कोमा सिद्धिगलण्यथाग्यं॥ ॥ थनाथेद्रास कस्त्रिनयावन॥ ॥ माक २ २०
 ॥ धनं दाय॥ यनाल॥ ह नं धा॥ धा न धा न धा धा॥ ह म्या म्या २ म्या म्या दू म्या॥ य॥ गह नं धा॥ धा न धा॥
 न धा॥ धा॥ धा॥ धा॥ ह धा धा ग धा न कं नि कं धा॥ या॥ ह म वाज ग न वं म उ म वा न वाज ग न वं म उ म
 म्या २ म्या म्या दू म्या॥ य॥ गह न क न मि द क धा जि धा जि द धा॥ मि द क धा जि क धा जि द धा जि धा जि धा॥
 ४ ह नं धा॥ ४॥ २

म्या म्या म्या म्या म्या २ वा क रू म्या म्या ४॥ २

धा धा २ नं ह य धा जि धा जि द धा २ टा उ नू मू क टा॥ उं उ नू मू टा॥ थ व गा २ जि गि गा म दा ना म उं गा म॥ २
 ह म्या म्या म्या म्या ४ ह म्या म्या २ म्या म्या दू म्या॥ य॥ ॥ धा जि क मि द न मि द न र्य धा न धा जि क जि द न जि
 द न र्य धा॥ ह म्या म्या म्या म्या म्या म्या दू म्या॥ मयू १७॥ ॥ सिद्धि ह कोमात्रि गमन रु व वा द य मि
 नि ग रु ग त्वा द र्ग न वि धेयं॥ को सिद्धिगलण्यत्र गम्यतां॥ सिद्धि नायकादि सव्व निस्साव॥ ॥ युजु वी
 ॥ य॥ वला वला नाय गणि यि ह व न व लिय रु व व क कोमात्रि चला द खिय॥ गहा वि धिका मि नि द व
 गलण या क व व ल य ग स व न मू व न॥ व धू य नि क ल म नि जि गा मि गु हू य ग ड ङ व सि क व व म न
 सि क वू य॥ मयू १८॥ ॥ य. का॥ सिद्धि ह कोमात्रि रु व व द र्ग नार्थ गम्यतां॥ कोमा सिद्धिगलण्यथा

ग्यं॥ ॥ द्विका॥ कोमा हसि द्विगलप्यवत्तविर्गनकव्यं॥ सिद्धि कोमा विगनकव्यं॥ ल२१॥ ॥ वावाः
 हीयविर्दं॥ ॥ वावा अरु कर्ण विग्रामक वा मि॥ विग्राम॥ ॥ वावा मया वाम् अनिकट गम्यत॥ ॥
 वावा ही देव र्थि॥ ॥ प्रका॥ वावा दुर्ग वाम् अनिकट गम्यत॥ ॥ द्विका॥ वावा मया गम्यत॥ ल२२॥
 २२॥ ॥ वाम् अयवना॥ ॥ सारंग॥ प्र॥ वाम् अक विहानट रुमि सुनिधन जलधन समव विधन
 वलुवना गवव ववाहि निक बाल वदना नवक वय विधान अहि न कदना॥ दूर्ध्नि तलावन यगरु
 कूटी लीषला छिन्न मूलुक बलिय म् वनि विहीषा प्रा॥ वलु देह निमृदि निमृदु विरुषला जिना मिष्ट
 करुद्र विन दुषला॥ मयू१८॥ ॥ वाम् वावा ही निकट गतुं र्ग नि वि ला॥ वाम् कर्ण विग्रामक वा

२१

मि॥ विग्राम॥ ॥ वाम् मया स्काना नवगत्वा स्वर्यं॥ ॥ वाम् अनिसाव॥ ॥ श्री लोवी॥ प्र॥ जगत
 विदिन रुम वाम् अरु वानि॥ प्र॥ यव न विकट वृयक बाल वदना गवृण जल द क्व विप्र का प्रसः
 दना॥ उदी विवा सि नि साह न व मूलु हाव काल वागी द्विथिका संग क वग विहाव॥ यन यान विर्न
 सिनी वसन न वहाथ रु वव अश्व कृग व सदा लिय साथ॥ सम निष वी ल नृय जिना मिष्ट रुन कालि
 काय वलयुग विनिहिग मन॥ मयू१९॥ ॥ प्रका॥ वाम् मया दुर्ग स्काना नवगम्यत॥ ॥ प्रका॥
 वाम् लीख्यं गच्छामि॥ ल२३॥ ॥ रुव वादि गमय नंदं॥ ॥ सिद्धि वाधि साकंदं॥ ॥ प्रका॥ सिद्धि
 रुवाधि दवीनां स विधे गम्यत॥ वाधि सिद्धि गम्यतां॥ ॥ प्रका॥ वाधि रु सिद्धि दुर्ग गनकव्यं॥ सिद्धि वा

विष्णुवर्ण्यं ॥ ॥ उरु, हरे ववन्द ॥ रे वरु सिंदि हयादि अणसन डय विष्णुर्गा ॥ उरु वीश्ववर्ण्यं
 ॥ विष्णुम ॥ ॥ सिद्धि नायकादि, माकंदू ॥ ॥ य. का ॥ सिद्धि ह कोमा विरे ववर्ण्ये नार्थ गम्यत ॥ को
 मा सिद्धि गलम्ब वगम्यर्गा ॥ ॥ य. का ॥ कोमा ह सिद्धीश्वर दूत गम्यर्गा ॥ सिद्धि कोमा विगन्तव्यं ॥
 सिद्धि हरे ववन्द ॥ रे वरु सिद्धि गलम्ब अणसन डय विष्णुर्गा ॥ विष्णुम ॥ ॥ रे वरु कोमा विरुवती
 नामागमन नानन्दिता स्मि वर्यं नृत्त्याम ॥ कोमा वीश्ववर्ण्यं ॥ ॥ धना सर्व काटान व्याखन ॥
 निक माक ॥ यताल ॥ अनक मता उमनक मता दुर्दु, धा धा गधात कूनि कूधा ॥ अ ॥ सिद्धि यथा यथि यथि
 गदां कु जि गदां दान मिठनी ॥ दान कथा धि कथा जी यनी ॥ धा धा २ तह, ताम दुम ता अनक म मदिः

निदिगिता ॐ दं दं २ धा ग धा ॐ धा धा ग धा ॐ धा ॐ न क थ यं जियं जिगि २ न कं नि कं धा ॥ ४ ॥ धा ग धा ॐ
ग धा ॐ जिं जिं ॐ जिं ॐ जिं जिं जिं ठ ग रु धा धा ग धा न कं नि कं धा ॥ धना ग त द्वा यं लि का य ॥ मयू २० ॥
रुं व रु व का लि सु ला न क व ग न्वा रु यं ॥ व का ॐ न्ध व अ व न्ध ॥ ॥ सर्व नि स्मा व ॥ ॥ रुं व व ॥ ४ ॥ व लू
व लू ग रु न्ध व अ न्ध ग न्ध व वा जा क अ रु ग रु म क व व स रु व ॥ दि ति ज द लि नि द रु रु रु व व दान
सू व ग रु म नि ग ल क व न सू मा न ॥ ता वि न ग म न व ला ज ग त धा वि ली जि ता मि ण न्ध य क रु अ रु रु स रु
वि ली ॥ मयू २१ ॥ ॥ य को ॥ रुं व रु व का लि सु ला न क व ग न्ध व ॥ व का ॐ न्ध व ग म्मा र्ग ॥ ॥ दि को ॥
व का रु न्ध व रुं व रुं ग न्ध व ॥ रुं व व का लि अ व न्ध ॥ लू २४ ॥ ॥ वा मू अ मा र्क दू ॥ ॥ य को ॥ वा

मया क्लृप्तान्कञ्जगत्वा क्लृप्य ॥ द्विका ॥ वाम् गीर्ध्रं गच्छामि ॥ वाम् यावद्वावाहीनाया नितावदयेव
क्लृप्य ॥ विष्णुम ॥ वावाहीयेसाव ॥ मालव ॥ खथा ॥ वाम् अममियरुमकववगमन कालवदन
ददी अहितदमन ॥ मनितमञ्जि वधूनिचवगसुवाञ्ज ललितकिंकिनिकटिभूतिक्लृविवाञ्ज ॥ नविक
लमलिववसूमनिसूरावय कीवनिधवलनगलिजिनामिहगवय ॥ मयू २२ ॥ ॥ यका ॥ वावा वाम् २२
अनिकटगम्यत ॥ द्विका ॥ वावा त्वविर्गम्यत ॥ वावा रुवाम् ॥ वा रुवावाहि आसन उयविष्ण
नी ॥ वा वाम् ॥ युयुक् ॥ विष्णुम ॥ वाम् रुवावाहि आर्वा नृत्त्याव ॥ वा वाम् ॥ अयवर्ध ॥ धनाधमा
सनया खनवावाही वाम् ॥ य ॥ याव ॥ धर्नाधनां २ धनाधनाखनाधनाधनां ५ ॥ वा ॥ वात ॥ धा

नां नाधनां धधनां ना धधक ध ॥ य ॥ गति ॥ चवचवचवाचलिवचव दंधा धाधा कृ दंधाधादनगनक
धाजिगिदां धाधाधध ० धा २ गाना अधुं दुं धं गाना गाना मनक म म म गाना २ धाधाधा ० २ दंधाधाधा
जिठक धाधा ॥ वाव ॥ वा ॥ जिं ० जिं २ धा जिं ० जिं धा ५ धाधा लधात कंति कंधा ॥ मयू २३ ॥ ॥ वा रु
वावाहि रुनवतिकटगकामि ॥ वा वाम् ॥ अयवर्ध ॥ ॥ वाम् ॥ वावाही निस्तान ॥ कोनिका ॥ वा ॥ वा
वाही वला जायि रुनवदनि अर्थ धर्म भा कृयायि जाहानयसन ॥ शेष हलयेन अतिरुहिय निहा
न जानयदयूज सुनलिया उयहान ॥ अयजिनामिह रुयक वहासुगमन रुनवसदहा नानसूननहिः
वाना ॥ मयू २४ ॥ ॥ यका ॥ वा रुवावाहि रुनवतिकटगकामि ॥ वा वाम् ॥ अयवर्ध ॥ ॥ द्विका ॥ वा

रुतामरुदुर्गंगम्यतां॥वा वानाहिगनक्यं॥ल२५॥ ॥रुतवादिधेसानावसक्त॥या॥रुकायालि
 निदवीवाक्कीमहामाया वानाहिदखनचलायूननियुजाया॥विविधवनदायकरुतवनाथवक्त्र
 गकिआदिदवीजमानसाध॥करुनजिनामिगुसुमनिसाविशसुकनकलितननयनमयविगु॥मः
 यश॥ ॥यका॥रुतवक्त्राहि वानाकादीनादूर्गानार्थगम्यतां॥व॥शीत्यनववर्था॥ ॥द्विका॥वक्त्रा २४
 रुशीत्यनदुर्गंगम्यतां॥रु॥वक्त्राहिअवर्था॥रु॥वक्त्राहियावद्वयोनसमायास्यनक्तावद्वयवस्वर्यं
 ॥व॥शीत्यनववर्था॥विप्रम॥ ॥वानाहीवामरुतामार्कदं॥वका॥वा॥रुतामरुदुर्गंगवतिकरुग
 म्यतां॥वा॥वानाहिअवर्था॥ ॥द्विका॥वा॥रुतामरुदुर्गंगम्यतां॥वा॥वामरुदुर्गंगम्यतां॥डरु॥रुशीः

ग्वन॥रुतवद्वयोजसिनासनडयविगत॥डरु॥शीत्यनववर्था॥विप्रम॥ ॥रुतवद्वयोजसिनासनडयविगत॥
 कनूता॥वा॥शीत्यनववर्था॥थनाधकनद्याखनजिमसाक्तागता॥ग्वना॥नू॥माधन॥मयूरश॥ ॥
 रुतवद्वयोजसिनासनडयविगत॥डरु॥शीत्यनववर्था॥विप्रम॥ ॥रुतवद्वयोजसिनासनडयविगत॥
 ना॥वा॥जगजनवंदिनिर्गकननानि॥सुनकसुखदयाजसुनमानि॥ध्रु॥धूयदीयजनुवामनरु
 थसुनयनिसुनगतामिलिसवसाध॥पनिमलकलितनूनकरुलकनलियजानलिलिगद्वकल॥
 यदयूजिसुमनिसदनसनूय॥जानतिकननजिनामिगुरुय॥मयूरश॥ ॥रुतिथीनयनित्वकोधीः
 तविदग्धवृतामलिनघवगंस्थीममहानाजाधिनानाधीसुमनिकयजिनामिगुमलदवविन

विठ्ठनवमाहकादिविनाटकद्विगीयाश्च ४ समाप्तः ॥ ॥

॥ हरि मन्त्र ॥

[illegible]

25

[illegible]

ॐ ॥ रिता ॥ वन्द्य सकल वलित मोलिरुचि वाद कामिनी समति न्य निजि नामिगु मल्लमवधुवा
लिनी ॥ भय २ ॥ ॥ प्रभा ॥ महा मया दू नंद वीकाटक गगन्यत ॥ ॥ द्विका ॥ महा सत्त्व वंगम्य
त ॥ ल २५ ॥ ॥ रुचि वादि यविदं ॥ रुचि रुचि का नि कर्ष विधर्म कथा मि ॥ बुद्धा ॥ श्रीश्वर ययुक्तं ॥ वि
धम ॥ ॥ रुचि रुचि का नि कर्ष ता क न गम्यत ॥ बुद्धा ॥ श्रीश्वर ययुक्तं ॥ रुचि वादि सर्व सा कर्षि ॥ ॥
यका ॥ रुचि रुचि का नि कर्ष ता क न गम्यत ॥ बुद्धा ॥ श्रीश्वर ययुक्तं ॥ द्विका ॥ बुद्धा रुचि रुचि व द न गम्य
ता ॥ रुचि रुचि का नि कर्ष ता क न गम्यत ॥ ल २६ ॥ ॥ महा लक्ष्मी ॥ ॥ मा लक्ष्मी ॥ ॥ न व र्ज न गध व का टि स म नू वि
ध व ल व न ल सदा सि ती या न ग र्ज न यि मा न मा यि ति न ग व का टि नि वा सि ती ॥ आ नन्द कवि दामहा

लक्ष्मीसिद्धिदा॥ध्रु॥ला ललावनविकचसात्रदवदनद्वद्वदिगवात्रिही॥लुपूजिनयत्रहायकृऊ
यवलदितिसूतमात्रिही॥सगतविवरसमरुषसिकाषटीसहगमिनी दीनदृष्टितदृष्टवनाभिः
तिसूतनर्हंकत्ररामिनी॥धात्रवदनविकचालरुत्रवनागकमयमात्रिकासूमनिरुननृपतिजिगमि
उत्रकृऊगऊनयालिका॥भय३॥प्रका॥महा मयादुर्गंदवीकाटकभगम्यरु॥ ॥द्विका॥महा स
त्वंगम्यरु॥ ॥महा अस्मिन्कुरुद्वर्षविधम्यरु॥विधम॥ ॥धेनोमहा अस्मिन्कुरुद्वर्षविनाद
यामि॥धनाकाटानयावन॥ ॥मार्कंधान॥गत॥खताल॥तह॥०अमदातामर्तुम०दू०दू०२तह
०तार्कुरुमदिगिदिगिर्तु०तामर्तु०मर्तुमूर्तुतामवध॥जिगर्दा००२धमाताताथप्रगर्हिता

कंताकं ० दिगि ० ताकं ताकं २५ जिगिदी ० ताकं नक २५ उं क्वा उं ताभ ॥ ताल ख ॥ गरु जि जि जि ०
 रु जि जि ० धा जि जि जि ० रु धा ॥ ४ ॥ महा सुलान्न वंगम्यते ॥ ॥ महालक्ष्मी साकं पि ॥ ॥ य का ॥
 महा मया दूर्त सुलान्न वंगम्यते ॥ ॥ द्विका ॥ महा दूर्त गम्यते ॥ ल २१ ॥ ॥ मंगल नरु व व य वि दू ॥ ॥ म
 न कर्ण विप्रमं क वा मि ॥ विप्रम ॥ ॥ मंगल अर्ण कर्ण विना दयामि ॥ ॥ धना मंगल नरु व व कर्ण ॥ ॥ २१
 कन ॥ अस्मान् गता माधन ॥ ॥ ॥ धा कया वा व न मंगल नरु व व पि ॥ ल २४ ॥ ॥ रु र वि माया ॥ ॥ वा ग
 विजय ॥ था ॥ वडा वायु नि विद्य न वंगल व न य व व न कय ल व ख न ॥ मयू ३ ॥ वडा मया व न य व न ४
 क्रियते ॥ वडा कर्ण विप्रम्यते ॥ विप्रम ॥ ॥ वडा मया अवायु गी वा म म्य नि कठ गम्यते ॥ ॥ निस्मा

व ॥ धनाप्रा ॥ ५ ॥ यूज वरु व व ता वि न जाय ॥ मयि वाम आचार्य क व व साहाय ॥ मयू १ ॥ य का ॥ वडा मया
 दूर्त गम्यते ॥ ॥ द्विका ॥ वडा दूर्त गम्यते ॥ ल २२ ॥ ॥ महालक्ष्मी ये सा व ॥ मा वू ॥ ॥ निरु ग य हु ल सि
 त म हु वि क ट हु रु र वि न नृ य क लि न य व ल य लि न ग क व लि न दू पि न ॥ मं ग म न वि न स द न दः
 लि न म द न द नि क व क द नू ज य व ल नि यू ज गी क क न क मा नि क ॥ व न्द स हु वि ध न द हु म न ज य
 हु ना सि न स म ति धी न स मि न वी न जि ना मि न यालि न ॥ मयू ५ ॥ ॥ य ॥ महा या वरु व वा द या न स माः
 या स्य नि ना व त्क ना न वं ग ला रु यं ॥ ॥ द्विका ॥ महा दूर्त गम्यते ॥ महा या वरु व वा द या न स मायाः
 स्य नि ना व द ग व रु यं ॥ विप्रम ॥ ॥ रु व वा दि मा कं दं ॥ ॥ य का ॥ रु व रु व क्वा मि महा लक्ष्मी स विः

॥ गम्यतां ॥ वक्रा ॥ शिवत्रयगम्यतां ॥ ॥ द्विका ॥ वामरुद्रगणेशशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ रुद्रवामरुद्रशिवत्रय ॥
 रुद्ररुद्रमहालक्ष्मी ॥ महारुद्रशिवत्रयसप्तदशविंशतां ॥ रुद्रमहालक्ष्मीशिवत्रय ॥ विंशतां ॥ गणेश
 सिद्धिरुद्रगणेशरुद्रवामरुद्रसप्तदशविंशतार्थगम्यतां ॥ रुद्रगणेशशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ ग
 णेशसिद्धिसिद्धिरुद्रगणेशशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ ॥ यका ॥ सिद्धिरुद्रगणेशशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ गणेशसिद्धिः २८
 नायकगम्यतां ॥ ॥ द्विका ॥ गणेशसिद्धिशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ सिद्धिरुद्रगणेशशिवत्रयद्वयगम्यतां ॥ रुद्ररुद्रवक्राद्वयः
 दयारुद्रगणेशनां मुखानि विलासममयललाटागणकिशकिद्वयगम्यतां ॥ ॥ सप्तशिवसप्तदशकिं वक्रयं
 रुद्रगणेश ॥ ॥ रुद्रवाकिनासकी ॥ कारु ॥ वा ॥ सप्तमिलिकनियनासविलास ॥ ५ ॥ मनरुद्रवनि

कमलासनकामितिदृगरुविदखियसुगतयनीदखिवदनकविचक्रलमानसहजवतिगाकड
वगमनी॥दसियत्रिभक्तसमखिअवकीडकोमानीवसवसकवितीडध्रुवविभवसमललितविनाडः
नानायतिवृन्वनअवकीड॥कनककलगयवसाहृत्तहानवावाहीअवकवियविहान॥रुद्राहीकुअ
गननूविनाडदृष्टमनारुवकवग्यहान॥दुखिमैनघननूविमननहिआनवाम्बु॥व्यवचनयमा
नलखिवदनसत्राडसमाननिजवसकडविनहिमान॥प्रयकलमधुनरूपनिबामलिसुन्दप्रसि
कसजानगुतिजननंजनसूमतिजिगामिगकियारुनववासवखान॥भयू॥॥सर्वोहृष्टीव्यवः
अस्मारुविर्विष्कफिःकीयत॥रुनरुवतीरुविकव्या॥॥वक्राव्यायूकिनासकीडा॥सानथा॥या॥

वासविहात्रकत्राश्वरुनयसवदवनमनरायात्री॥५॥वक्रवधूपनिवृत्तिरुश्वाननयश्चलनयनसत्राज
 मारुच्यत्रिपियमूकनदखावकपीनसघनदत्राज॥पत्रिभक्तगुरुकत्ररुश्वकीमात्रीसस्मिरुवदनवि
 त्तासवेम्विसम्पन्निरुवदखावकनावकजंगयकास॥रुनवकलुवाक्यगुणत्ररुवात्राहीनयनयला
 वथमजनायनिनखिरुनवमुखमुखवामलुवमनठाताव॥॥रुनवधूपनिकलिकलाविदविम्वग्रुध २७
 प्रकुवित्रागकाकिलस्वमिलिठवर्गीगहागवतयकुमत्राग॥कनकिगलयगहिकमलवलावतः
 श्रीसुरुगवृत्तिगंगसुमनिजिनामिगुनयवनगवतकुरुनवत्रासतनन॥मय१०॥॥रुनरुवक्राव्या
 दय४कुरुविप्रमविधीयता॥सर्वा॥श्रीश्वत्रयकं॥विप्रम॥॥रुनरुवक्राव्यादयग्रस्मारिरुः

कनगर्यागकामा॥सर्वा॥श्रीश्वत्रयकं॥रुनवादिसर्वनिस्मात्र॥त्राजविजय॥ख॥रुगहनगत्रय
 लाजायवप्रखनसवमिलिजायकत्राश्वानन्दगमन॥बलिपूजालयिसवयमदिकमननिवासः
 कनरुसवमारुकादिगहा॥समहिनुपतिरुननविकुलरुसेकुनामिगुमलवत्रवीनश्वरुगंभ
 ॥मय११॥॥प्रका॥रुनरुवक्राव्यादयग्रस्मारिरुःकनगर्यागकामा॥सर्वा॥श्रीश्वत्रयकं॥॥दि
 ॥सर्वा॥श्रीश्वत्रयकं॥रुनदयागम्यता॥ल३०॥॥मगानरुनवपत्रिद॥मगानरुनव
 र्गविप्रमंकत्रामि॥विप्रम॥मगानरुनवपत्रिद॥मगानरुनव
 निनिस्मात्र॥गीतामालव॥ख॥केकवसकलरुजावियरागजायकनवरुमश्रीश्वत्रयकथा

रुदतर्वमनिर्त्यक्तात् २

नगसिंताकं ताकं छदिगिताकं ताकं २ धाजिगदां ० ६ २ धा धाउं छाउं तास ॥ कलावन ॥ ६ धा धा
योजिगि २ ६ धा ॥ ॥ गीतमदधुनिगायनसूतान लज्जितगध्वगनखजज्जिमान ॥ ॥ बुद्धाणीमा
रुध्वनीखिनयाखन ॥ तिलिधनां ६ खतिगां ५ धेनां ५ धे दतिदखख तिदिं तिनादनां दखखतिं दना
यनायतिं नायदितखतिनां दखखतिनां ता नकतिं धादनिधां तिधादनिधां धां नायतिं धेखं खरुंद ३१
क २ नकतिं धादनिधा तिधादनिधा धा धा दक ३ नानादिक तिधादनिधा तिधादनिधा धा धा दक ३ ना
ना नकतिं धादनिधा तिधादनिधा धा धा नैदिक तिधादनिधा तिधादनिधा धा नकतिं धादनिधा दिक तिधा
दनिधा धा तिलिधति तिलिधति २ ॥ ता तिधादनिधा ताक तिधादनिधा ताक तिधादनिधा धा तिधादनिधा धा ना

दिक धादनिधा ५ नक तिधादनिधा दिक तिधादनिधा धा नादनायनादनाय तिदिं दकखखतिद
गाय ॥ ॥ नयकीलिकोमदिसनगठदीन जारादखिदवगलहयनमूदीन ॥ कोमात्रीवेष्कवी
नगमनायाखन ॥ याख ॥ न ॥ कनकमणिगगुदनटकनलास कनकनयनादवीकननानिवास
॥ सिद्धिनायक रुनवी पथिमा याखन ॥ नटवलावन ॥ वा ॥ सुललिनदखारुका नगननसारु ॥ धा ॥
विदिनदगा धियगि जिगा मिरुप सुकनकलिनमनमनमधनूय ॥ ॥ प्रगायनयनमात्रमिलि
ऊसयन्द दुर् मिलिनिद्याकननविगगिमन्द ॥ वायाहीवामुधु धा कनयाखन ॥ ग्वना ॥ य ॥

[illegible]

धाधिकधाखरहिकनकनिकंजिगिदांदाधा॥धा२॥तकननकनिकंमदिगिदिगिता॥दंइनकगा
मठंछाठंताम॥विध्य॥धाजिगिदां॥२॥धा॥तामा॥थनगसिंताकंताकं॥दिगिताकंताकं॥२॥धाजि
गिदां॥२॥धा॥ठंछाठंताम॥॥विधिवनवषगननायसूखदीया॥खरुसिद्धिवनदवसगलमि
लिया॥सिंहियाधि॥धमासनयाखन॥५॥नं॥धा॥॥धा॥नं॥धा॥नं॥धा॥॥धा॥धलधनकनिकं॥धा॥
माला॥गति॥चरुयवाचलिव॥जिददांजिददां॥तजिदनांजिददांमिददां॥नकथाधिकथाजीजूः
नां॥धा॥॥धा॥धा॥२॥नह॥तामठंम॥तामनकम॥मदिगिदिगिता॥दंइ॥२॥धा॥गधा॥॥धा॥धा॥धा॥गधा॥॥धा॥
नकनकंनकथायंजिगियंजिगिजिगिनकनिकं॥धा॥सूमतिजितामिगुगु॥॥ननिवास॥नकाकनासव

दविजानिनिजदासा॥भय॥३॥ ॥रुद्रवृक्षाद्यादयः॥रुद्रंविष्णुमाविधीयतां॥सर्वाःरुद्रवृक्षः
जुवन्त्यः॥विष्णुम॥ ॥आचार्यगणपिनामदवदं॥यका॥ ॥गणपि मयाधीयनवजाचार्यसमंविवावि
नंवरुद्रयावन्नायातितावदुक्तवस्तुयं॥कावसविष्णुम॥ ॥धीयनवजाचार्ययेसान॥कारि॥
वा॥धीयनवजाचार्यजायवज्रवनपूजवरुद्रवनाथकनकगमना॥आनन्दिनरुद्रमदखवजाय ३३
॥३॥गणपिनामन्नाचार्यकनवरुद्रनसरुद्रकनवपायदजसना॥नवपतिजितामिगुसुमतिः
रुद्रदविकववहाविनूगतिनहिन्नान॥भय॥४॥ ॥धीयरुद्रआचार्य॥गणपिरुद्रधीयनवजाचार्य
रुद्रदागमनमथकागुक्तिर्माहकादिहिः॥समंमहोरुद्रवागतावरुद्रगणआचार्यगिताम्ना

धनाविधयपूजार्थदुर्गगम्यतां॥धीयआचार्यजुवन्त्यः॥ ॥द्विका॥धीयरुद्रआचार्यपूजार्थदुर्ग
गम्यतां॥आवीद्वजुवन्त्यः॥ ॥आरुद्रवजाचार्यधीयोसुमतिजयजितामिगुमल्लदवस्यारुद्रयाहि
नवादिहिर्नृत्तविहितं॥अनृपनृत्तविधाननआचार्यानवमारुकादीनांपूजनविधयं॥धी
यआचार्यसम्यकयाविधयं॥धनापूजायाय॥कवि॥ख॥आनन्दिनकनकापूजाविविधविधान
आगमविहितकनकानावलिदाना॥सुगन्धिकसुमल्लयिन्नानयनसान्मगुवृक्षयिन्नधूपनेत्रय
नरुद्र॥कर्पूनेत्रपूजितदीपन्नावतिकप्रियापकान्ननवनारुद्रलविविधधप्रिया॥वनलघूजनकावि

समसि सुरुत जिनामिगमदीयमिप्रमदिगमन ॥ भय १७ ॥ ॥ आचार्यया मुनिना त्वमसि विवधस
 या लाकयुष्या त्वमव त्वमसि रुवनधारी माददाही त्वमव ॥ विविधविध गनूयामरुयलुखनूपाः
 जयमिजयमिनिन्यावक्रगकादिदवी ॥ आरुरुनवादयायूषान्यहमसि ॥ ॥ वो वोद्वागमयसि ३४
 द्वासिदवीरिहसिहनामदाहि नवामांगडाभ्यन सार्धनक्रमहायरा ॥ वो रुरुनवादयायूषान्य
 हमसि ॥ पक्षम ॥ ॥ आचार्यधीयनवजावाय ॥ श्रीश्रवादीनां आनाधनयावरुचर्गनयाफिः
 र्याता अगुयनं सगुरुगकामि ॥ धीय आचार्यगम्यतां ॥ वोदुरुकुरुय ॥ आचार्यदवर्त्तयि ॥ ॥

॥ एक ॥ आ मया द्रुगंगम्यता ॥ ॥ द्विका ॥ आ द्रुगंगम्यता ॥ ॥ गुरु लक्ष्मणगवति म गेयविष्टाहंगत्वा स
 गंगं रावयामि ॥ गुरु लक्ष्मणकिनिस्तान ॥ कदा वामालव ॥ वा ॥ धनजनयोवन अनित्यसीतान ॥ श्रीश्रव
 रुजनयलाहायवदधाम ॥ भय १८ ॥ ॥ एक ॥ वो ॥ नगत्वा जीवन्मुक्ताहं वृद्धयनिविनयामि ॥ ॥ द्वि
 का ॥ वो ॥ द्रुगंगकामि ॥ ॥ रुनरुवक्राद्यादयस्तुलानत्रगम्यता ॥ सर्वा ॥ श्रीश्रवयक ॥ रुनवादिसर्वमा
 कं पि ॥ ॥ एक ॥ रुनरुवक्राद्यादयस्तुलानत्रगम्यता ॥ सर्वा ॥ श्रीश्रवयक ॥ ॥ द्विका ॥ वक्राह ॥ श्रीश्र
 वद्रुगंगम्यता ॥ रुनरुवक्रादिनवर्त्तय ॥ ल ३२ ॥ ॥ समस्तलागभयनंदं ॥ आचार्यदवर्त्तय ॥ ॥ एक ॥ आ
 मया स्वकलुगनिकटगम्यता ॥ ॥ द्विका ॥ आ गीर्धंगम्यता ॥ आरुसमस्त ॥ श्रीरुपियतमयलामासि

आसनरुपविष्णुर्गो॥ आ प्रियञ्जवर्ध॥ विष्णुम॥ ॥ आरुप्रियरीत्यापलपिर्गमयाञ्जीश्वरात्राधनं कृत्वा
 धर्मादिकं संपादितं अतश्च नञ्जीश्वररुद्रनार्थं गम्यत॥ श्री स्वामिन् अत्रवर्ध॥ आचार्य सममलान्ति
 निम्मान॥ धनाधी॥ वा॥ वर्ये लसकलं रूद्रजानिया संसान रुद्रन क विरवला सवसुखसान॥ भय ११॥ ॥
 आरुप्रियद्वर्तञ्जीश्वरात्राधनार्थं गम्यत॥ श्री नाथ अत्रवर्ध॥ ॥ द्विक॥ श्री रुनाथद्वर्तं गम्यतां॥ आ प्रिय २१
 अत्रवर्ध॥ लू ३३॥ ॥ रुद्रवादि मार्कट्॥ यका॥ रुद्रवक्त्रा नितवितं गम्यतां॥ वक्त्रा ञ्जीश्वरगम्यतां॥
 ॥ द्विक॥ वक्त्रा रुद्रञ्जीश्वरगीर्णं गम्यतां॥ रुद्र वक्त्रा नि अत्रवर्ध॥ रुद्र वक्त्रा व्यादय अरु रुद्रकन गार्था द्विती
 विष्णुमं कनामि॥ सर्वा ञ्जीश्वरयुक्तं॥ ॥ विष्णुम॥ रुद्र वक्त्रा व्यादय ४०० श्री समतिजयति नामि शुभमलदव

महानाजाधिनाजस्य रुद्रावर्यं रुद्रावामः अतश्च नमस्तस्य नक्तार्थं मत्तनगरं विहाय नक्तं गायिगत्वा
 म॥ सर्वा ञ्जीश्वर अत्रवर्ध॥ ॥ रुद्रवी॥ लां॥ विविधपूजाय वसेदया प्रखन रुद्रनगरं वासनाका
 ठिवाकखन॥ निमवधिकनानका सकल मिलिया स्वस्तिसिद्धि वदव नाथ यातिया॥ ननयति जितामि
 रुद्रगतिमानिया अरु मत्त रुद्रलदिवामन रुद्रजानिया॥ भय १२॥ ॥ लाक॥ रुद्र यावदुक्त धनाधन
 हिमनि विरवयुधव नो ध्रुव ४०० लावा निदम रुद्रलीकलधयान द्या नदा ४०० यावना ४०० नाज गोव निजाम
 तिगुलखनि ४०० रुद्रनी मर्चयन् नावत्या रुद्रमहो मदाजयति नामि शुभमलदव
 य ४०० श्री समतिजयति नामि शुभमलदव महानाजाधिनाजस्य पूजासक्तानमवयं रुद्रास नमस्तस्य रुद्रादिः

सिद्धिब्रह्म ॥ ॥ सर्वं तथाम्बु ॥ ॥ अत्र नि ॥ वसन्त ॥ वा ॥ जगज्जनवन्दिनिर्गङ्गा ॥ वनानि सूनकसूखदयाञ्ज
 सूनमानि ॥ धू ॥ धूपदीपञ्ज्वलामनलाथ सूनयनिसूनगलामिलिसूनसाथ ॥ यत्रिमलकलिनञ्जनकरूल
 कनलियञ्जानिलिलिगदकूल ॥ यदपूजिसूनमतिमदनसूनूपञ्जानतिकननजिनमिगुरुय ॥ भयरे ॥
 ॥ ॥ अत्रिद्योतपनिवक्राधीनविदग्धवूठामालिबध्वर्गभावगांमयीमनलानाडाधिवाज्ययी ॥ २७
 सूनमिजयजिनमिगुमलदवविनचिन्नादमाहकादिचित्रिनाटकहनीयाश्च ॥ सूनमायकथार्ययः
 कथा ॥ ॥ ॥ ॥

आशा नरकस्थि
 २.५५७

ASHA ARCHIVES